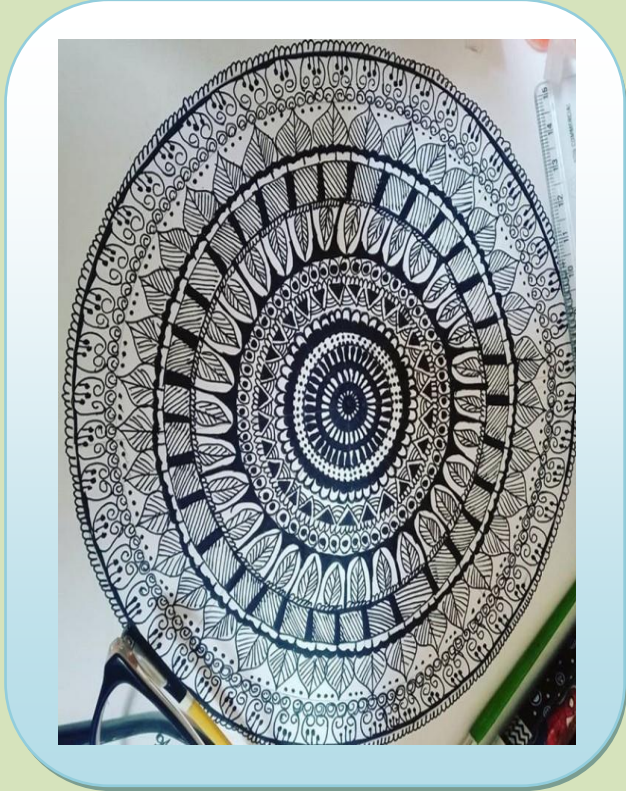
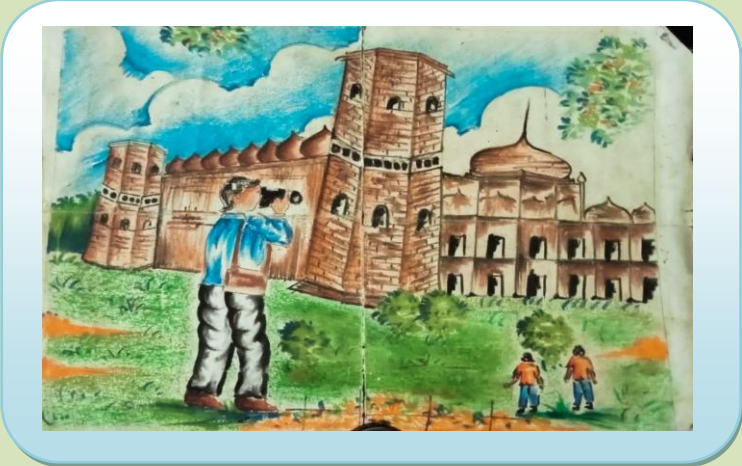
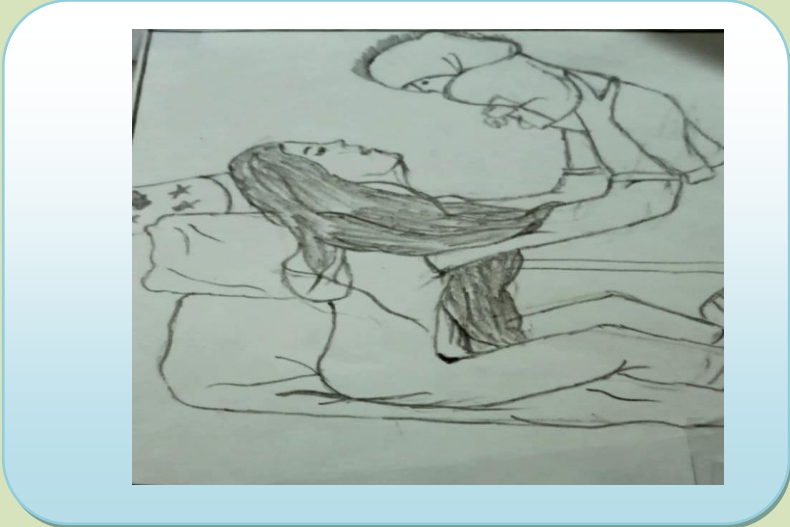


*Creative Expressions*

*Posters by our Talented Students of IUJ*



**Ms. Neha Priya MBA -II**



**Ms. Riya Rani (BBA-LLB II)**



**Ms. Ruchi ,MBA -II**

## कॉलेज के दिन

अपने शहर को छोड़ कर एक अनजान शहर को निकला था  
वो शहर भी अनजान थी, वो लोग भी अनजान थे ।

आँखों में ख्वाब लिये,  
जिंदगी के सबसे हसीन सफर पे चला था  
दिल में घबराहट भी थी, आँखों में उमंग भी था।

कछ खशनमा मुसाफिर से मुलाकात हुई,  
वो भी आँखों में कछ ख्वाब लिये उस शहर में आय थे  
कल तक जो अनजान थे वो जिंदगी के सफर में दिल के खास बन गए थे ।

चंद लम्हों का साथ था, पक्की दोस्ती थी  
कभी दोस्तों के लवों की हँसी हम हआ करते थे,  
कभी मेरे लवों की हँसी वो दोस्त हआ करते थे ।

जिंदगी हर जगह से बिखरी पड़ी थी  
फिर भी उस कमरों में लवों पे हँसी थी,  
दिल मे सुकन था, हाथों में जाम था ।

एक पल दिल को एहसास हआ  
ये जिंदगी के हसीन लम्हें कब याद बन गए  
वो ख्वाब की जिंदगी पल भर में गुजर गए  
कमबख्त वक्त के साथ हम बिछड़ गए ॥